बाळका बेई बाइबल

प्रस्तुति

पौलुस की अद्‌भुत यात्रा

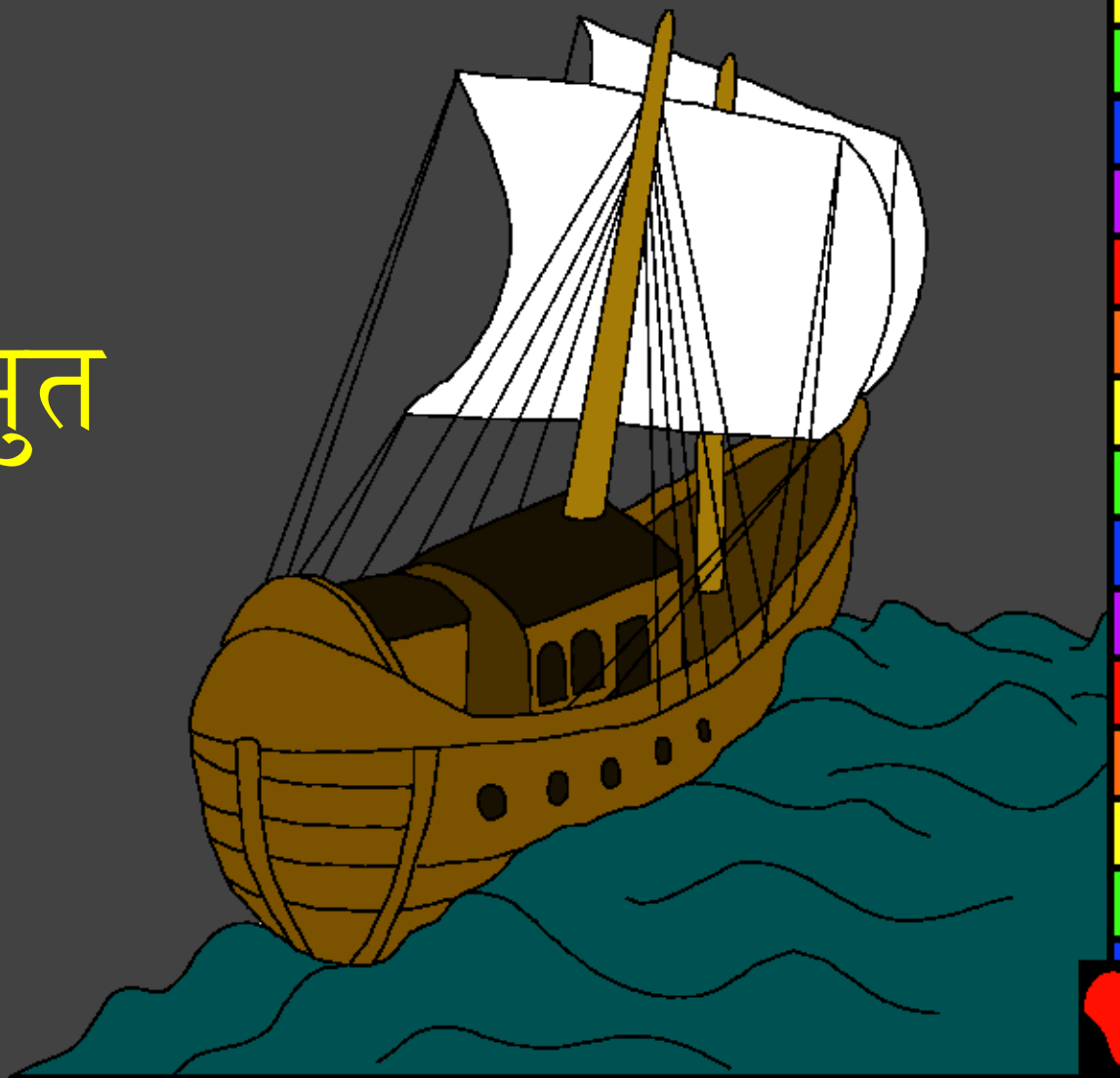

लखबाळो: Edward Hughes

सम्झाबाळो: Janie Forest
Alastair Paterson

रूप बदलबाळो: Ruth Klassen

अनुवाद करबाळो: Royson Norman D'Souza

साम्अ ल्याबाळो: Bible for Children
www.M1914.org

©2023 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): थे यां कहाण्या की फोटू कॉपी और छपवा सको छो, शरित याई छ क बैच्अ कोन्अ।

पौलुस और सीलास, यीशु के सुंवक, जेल में थे। नीं, वे कुछ भी गलत नीं किये थे – वे केवल एक महिला के अंदर सुं दुष्टआत्मा को बहार निकाले थे। वे फिलिप्पी में मूर्ति पूजकों को - सच्चे परमेश्वर और उनके पुत्र यीशु की शक्ति के बारे में लोगों को बताये।

केवल इतना हारू वे
गिरफ्तार कर लिए गये,
उनपर मार पड़ी, और
बंदीगृह में डाल दिए
गए थे।

आप उम्मीद करेंगे कि पौलुस और सीलास क्रोध में और कड़वाहट में होंगे लेकिन नीं, वे ऐसा नीं किये। इसके बजाय वे आधी रात को परमेश्वर कि स्तुति के भजन गा रहे थे! अन्य सभी कैदियों ने और जेलर उन्हें सुना।

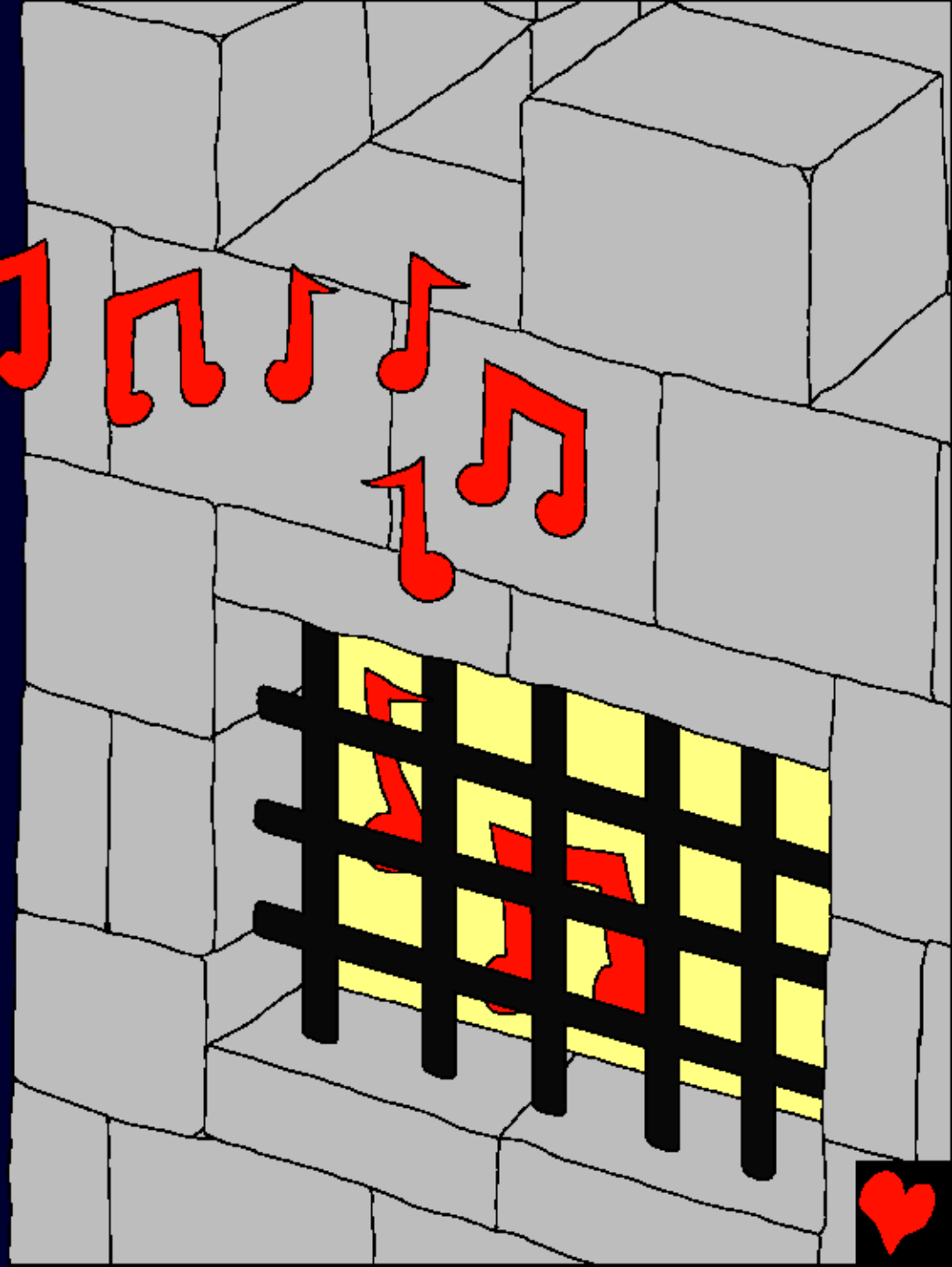

अचानक, गाना बंद हो गया। परमेश्वर ने जेल हो
हिलाने हारूएक भूकंप भेजा। सभी दरवाजे खुल गये
हर किसी की चेन खुल गयी।

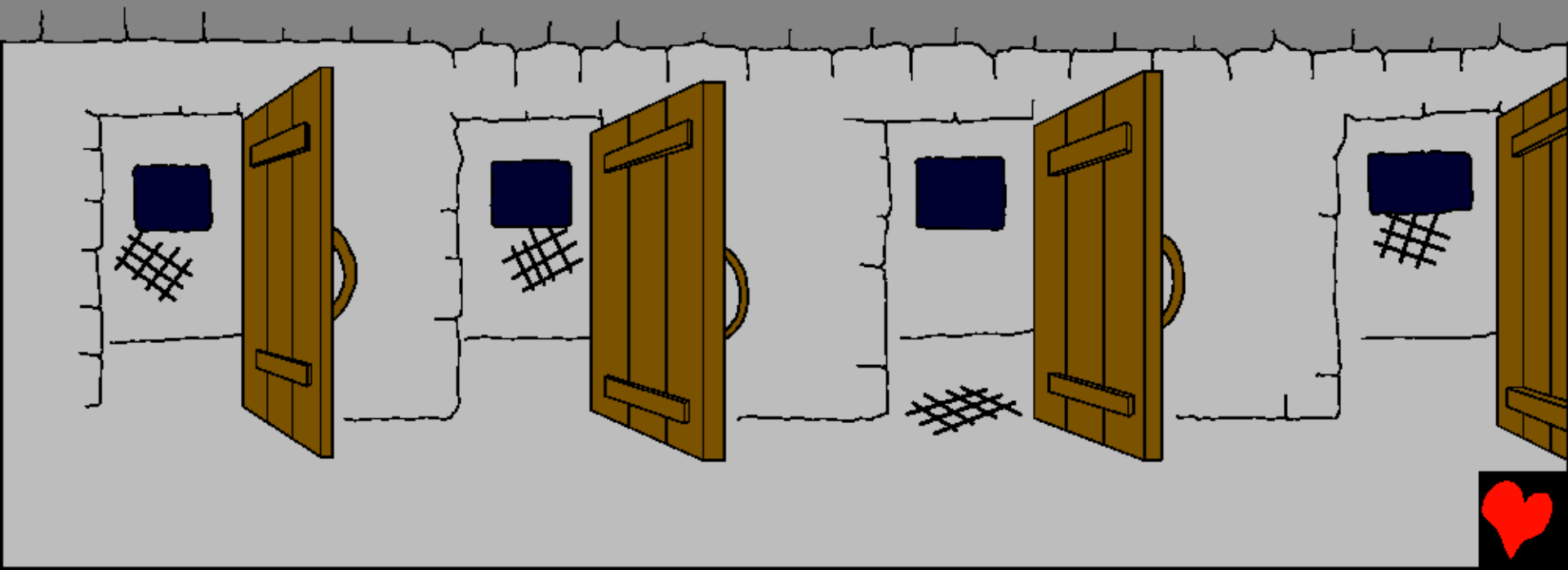

ओह - ओह! जेलर को यकीन था की सभी कैदी इस हलचल में भाग गए होंगे। यदि एक भी भाग जाता तो, जेलर को मौत के घाट उतरना होता। अफसोस की बात है, असहाय जेलर ने अपनी तलवार बाहर खींच निकला। वह बचे हुओं को मारता और फिर खुद को मार कर अपने आप को खत्म कर सकता था।

लेकिन पौलुस ने कहा, “हम सब यहाँ हैं, अपने आप को कोई नुकसान मत पहुंचा।” जब जेलर ने उन्हें देखा तो कहा, “श्रीमान, उद्धार पाने हारू मै क्या करूँ?” तब उन्होंने कहा, “प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पायेगा।” आनन्द सुं, जेलर ने ग्रहण किया।

अगले दिन उन्हें
छोड़ दिया गया,
पौलुस और सीलास
यीशु के बारे में लोगों
को बताते हुवे, कई
अन्य शहरों की यात्रा
किये। कुछ लोगों ने
उनपर बिस्वास
किया पर दूसरों ने
उन्हें चोट पहुँचाने
की कोशिश की।

लेकिन परमेश्वर उसके सुंवकों के साथ था। एक रात, पौलुस घंटो प्रचार किया। एक खुली खिड़की पर बैठा एक युवक सो गया। क्या आप अनुमान लगा सकते हैं, क्या हुआ होगा?

हर कोई जनता था कि
युवक मर चुका था।
लेकिन पौलुस नीचे गया
और यह कहकर उसुं
गले लगा लिया, “उनका
जीवन उस में है।” वह
युवक में पुनः जीवन
लाया, और वे बहुत
खुश थे।

यूरोप में यात्रा के दौरान पौलुस और सीलास कई कारनामें किये। सबसुं बड़ी रोमांच घटना तब हुई जब पौलुस एक जहाज पर था। ये स्टील के समुद्री जहाजों में सुं नीं थे, लेकिन वे पाल नौकायें थीं जो, तूफानी मौसम में आसानी सुं टूट जाया करती थी।

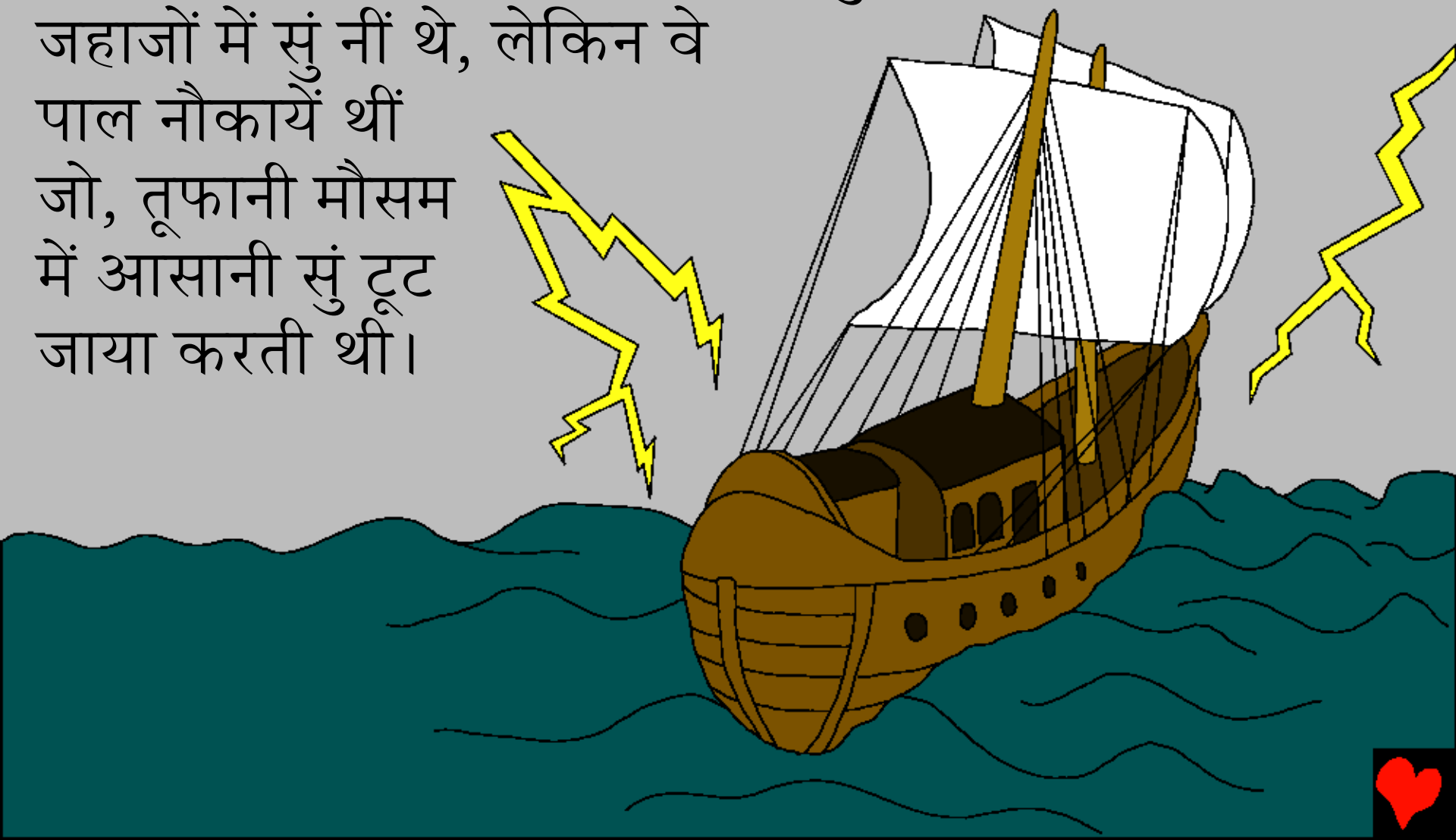

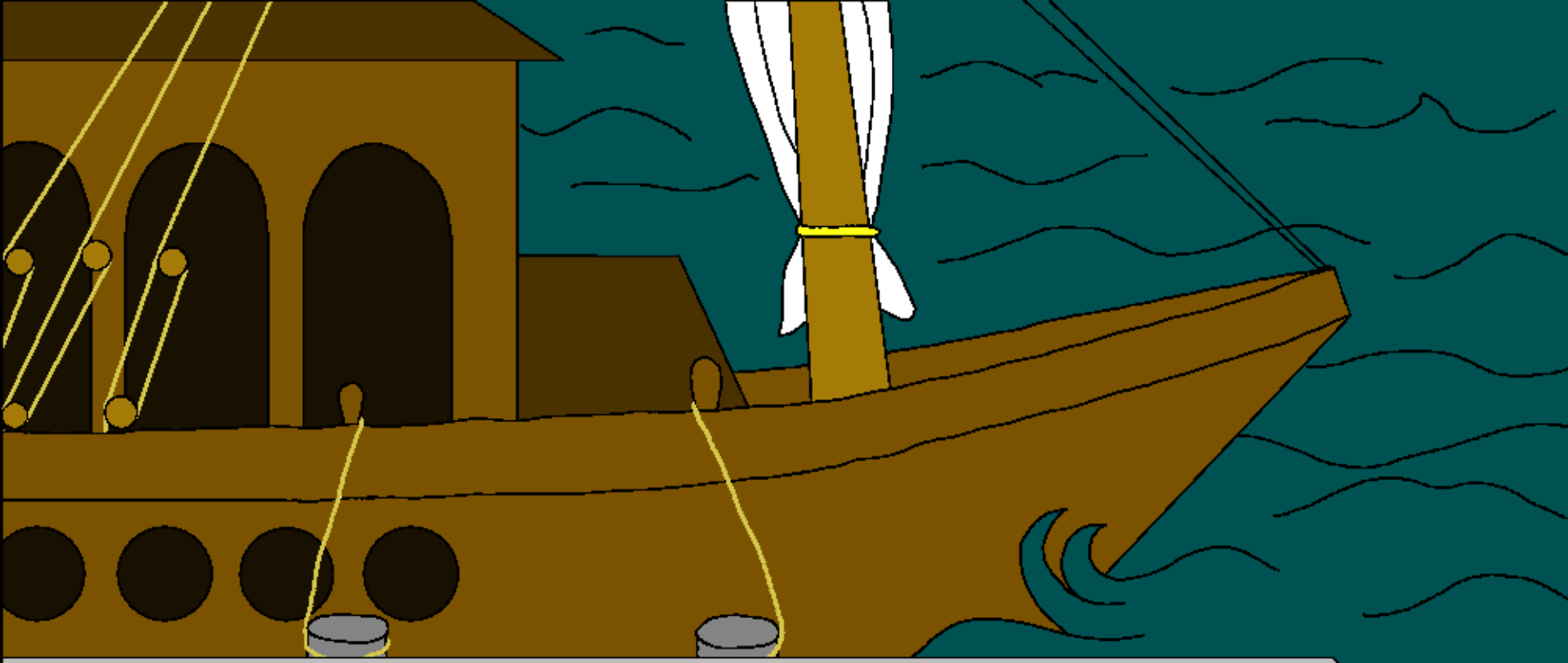

पौलुस जहाज पर था क्योंकि वह फिर सुं गिरफ्तार कर लिया गया था। अब वह रोम, दुनिया की राजधानी में सम्राट के समक्ष पेश होने वाला था। तीब्र हवाओं ने जहाज को धीमा कर दिया। ऐसा जान पड़ता था कि तूफानी मौसम आगे की ओर ही था। यह पौलुस, अन्य कैदियों और चालक दल हारूएक कठिन यात्रा था।

“हे पुरुषों, मैं इस यात्रा को आपदा के साथ खत्म होता देखता हूँ” पौलुस ने चेतावनी दी। परन्तु कप्तान ने नीं सुना। समुद्र के अंदर वे चले गए। एक बहुत बड़ा तूफान उन्हें घेर लिया, वे इस आशा सुं जहाज को पूरी तरह सुं रस्सियों सुं बाँध दिए; वह जहाज को टूटने सुं बचायेगा। यदि जहाज टूटता तो, सभी हारूपानी एक कब्र था।

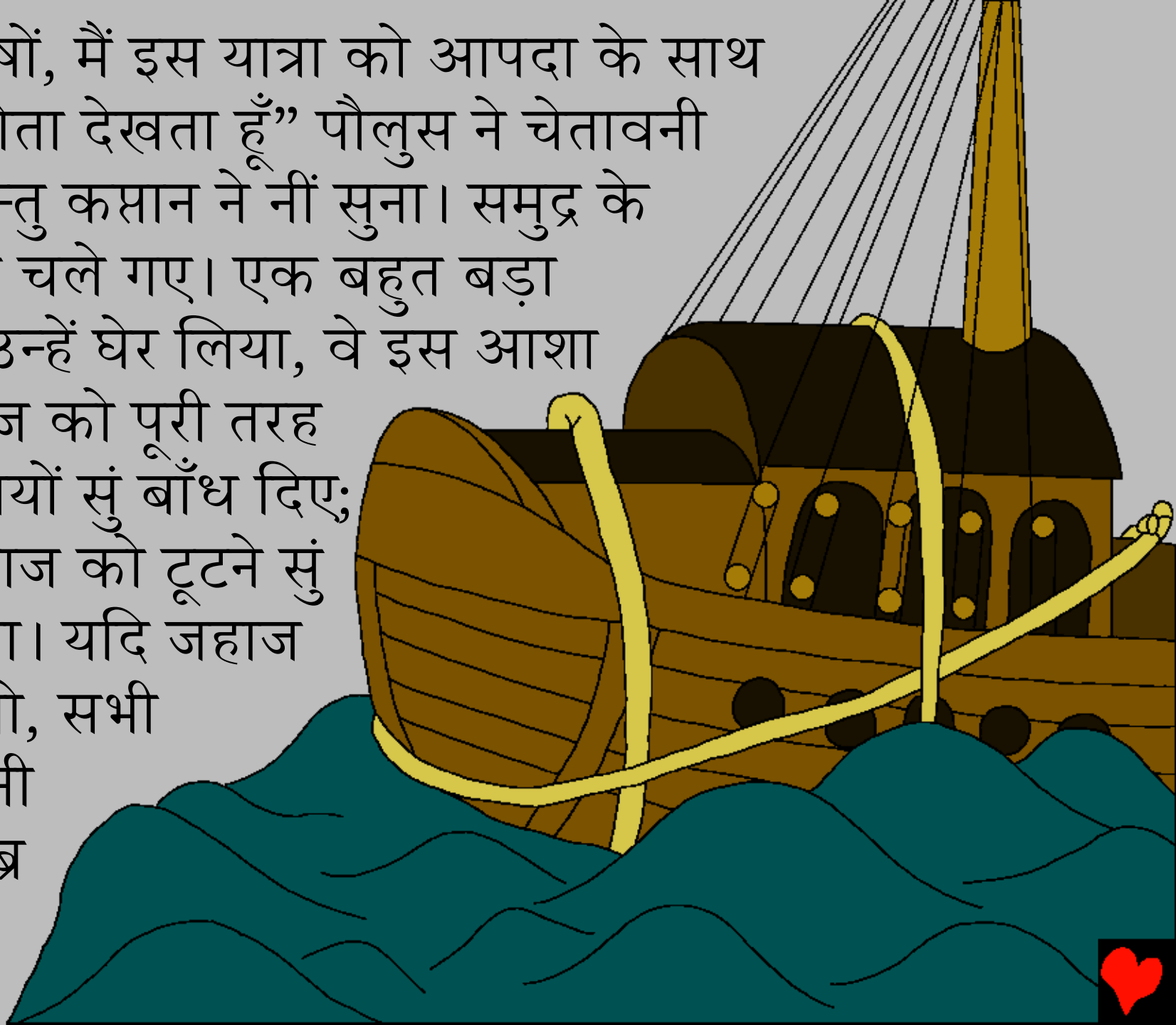

जहाज टूटने वाला था, तभी कप्तान ने सभी को आदेश दिया कि जहाज को हल्का करने में सब मदद करें। तीसरे दिन, वे जहाज पर सुं सबकुछ फेंक दिया। इस आशा सुं कि हो सकता है उन्हें इससुं मदद मिलेगी।

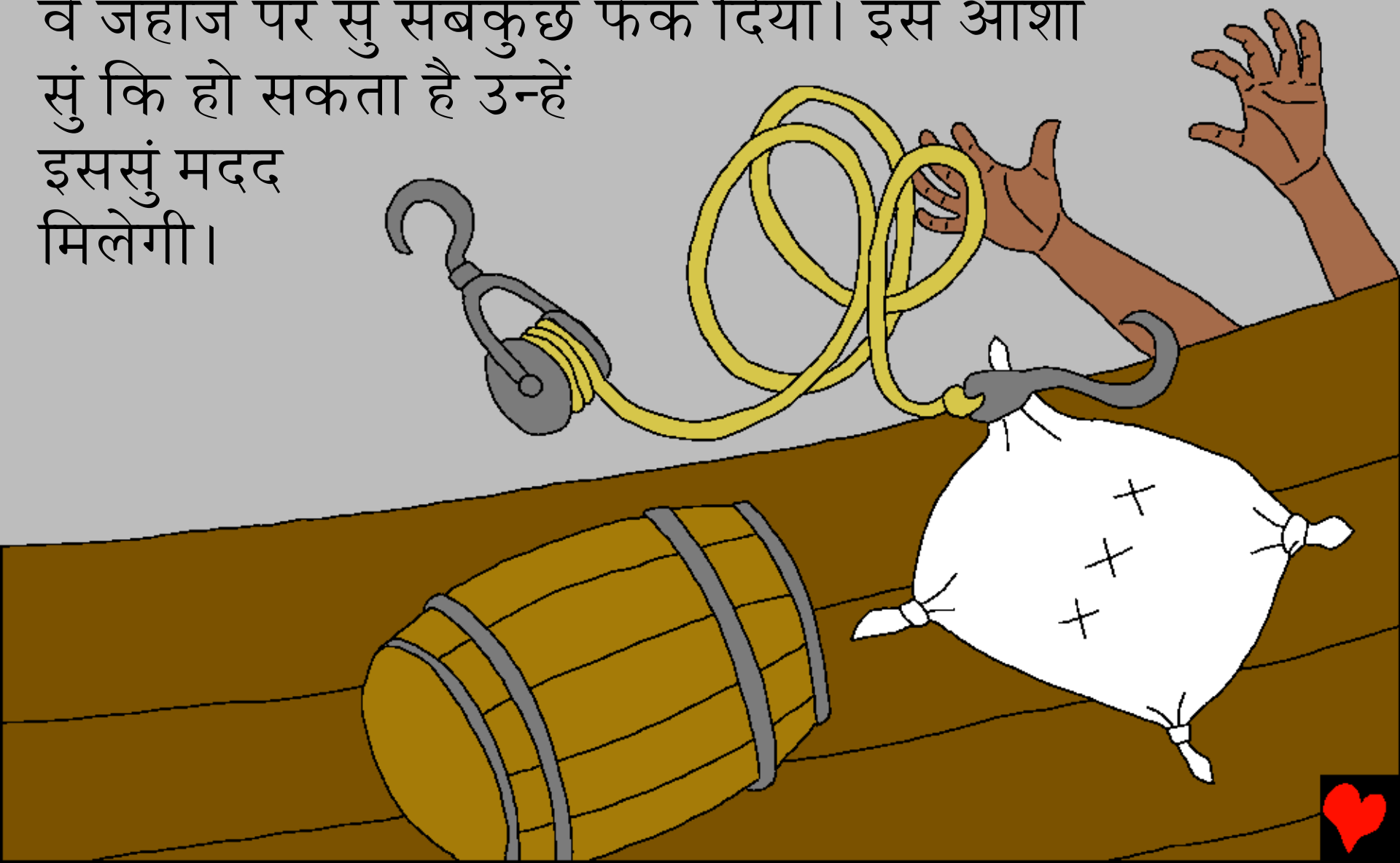

रात के दौरान, पौलुस के पास खड़ा एक दूत ने बताया की सब कुछ ठीक हो जायेगा। पौलुस ने जब दूसरों को बताकर प्रोत्साहित किया तब वे रहत में आये। “पुरुषों, दिल थाम लो, मैं परमेश्वर पर विश्वास करता हूँ और जैसुं मुझे बताया गया था वैसा ही होने वाला 7है।”

हालांकि, हमें शीघ्र ही एक निश्चित द्वीप पर टिकने हारूचलाना चाहिए।

कुछ दिनों बाद, नाव माल्टा के द्वीप के निकट ठहरा दिया गया। वह चट्टानी छिछले पानी पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और टूट कर अलग अलग हो गया। सबसुं पहले कप्तान ने तैरने वालों को पानी में कूद कर टापू तक जाने का आदेश दिया, बाकी भी सुरक्षित रूप सुं जहाज के टूटे हुए टुकड़ों द्वारा और कुछ बोर्ड पर सुं भाग निकले।

माल्टा में, परमेश्वर ने अपनी शक्ति दिखायी। जब वे आग हारूलकड़ी इकट्ठा कर जलाये, एक सांप ने पौलुस को काट लिया। लोग सोच रहे थे कि वह मर जाएगा। लेकिन सांप के काटने सुं उसुं कोई नुकसान नीं हुआ।

तब लोगों ने सोचा की पौलुस
एक देवता है। बहुत सारे बीमार
लोग आए, और पौलुस ने उन
हारू प्रार्थना की, और उसके बाद
परमेश्वर ने उन्हें चंगा किया।

अंत में, पौलुस रोम में पहुंचा। उसके अदालत में मामले की सुनवाई हारूदो साल का समय लग गया। उस समय के दौरान, पौलुस एक घर किराए पर लिया और ढेर सारे आगंतुकों को प्राप्त करता रहा। आप क्या जानते है कि पौलुस अपने आगंतुकों को क्या बताता था? परमेश्वर के राज्य के बारे में! प्रभु यीशु मसीह के बारे में! पौलुस अब रोम में परमेश्वर का सुंवक था जैसुं वह उसके सारे अन्य यात्रा के दौरान में था।

पौलुस ने रोम में सुं लिखा, “मैंने अच्छी कुश्ती लड़ी है, मैंने दौड़ समाप्त कर लिया है, मैंने अपना विश्वास कायम रखा है।” बाइबल उसके जीवन के समापन के बारे में हमें नीं बताती है, लेकिन अन्य लेखों सुं पता चलता है कि पौलुस को सम्राट नीरो के आदेश सुं रोम में मौत की सजा दी गयी थी। परमेश्वर का एक वफादार सुंवक,

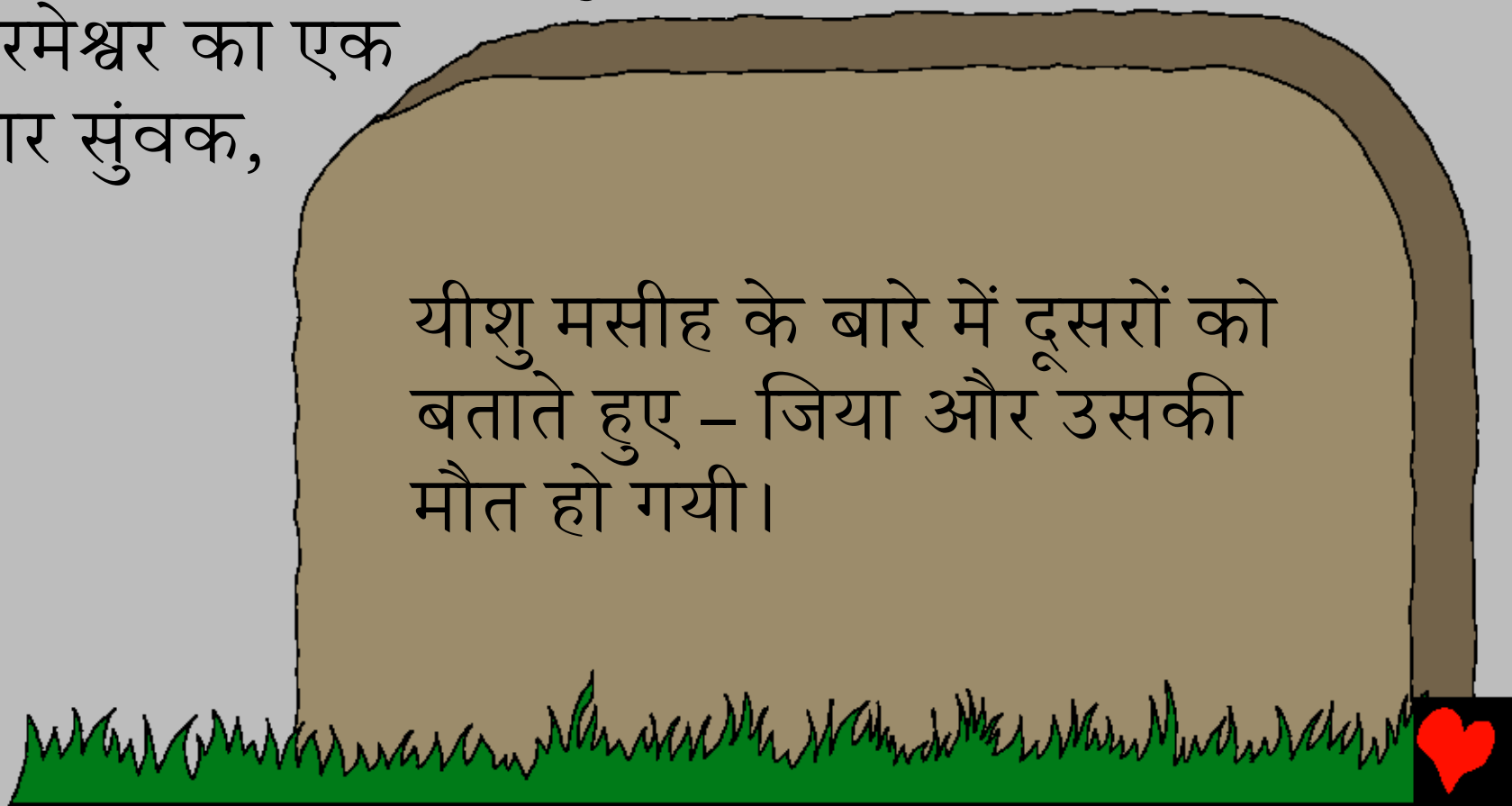

पौलुस की अद्‌भुत यात्रा

बाइबल, परमेसर का बचना की कहाणी

मं पायो गियो

प्रेरितों के काम 16, 27, 28

“ज्यो थांकी जन्दगी मं उजाळो देव्‌अ छ।”
भजन 119:130

खत्म

बाइबल की या कहाणी आपान्अ आपणा उं अदभुत परमेसर का बारा मं बताव्अ छ ज्यो आंपान्अ बणायो छ अर वो चाव्अ छ क थे उन्अ जाणो।

परमेसर जाण्अ छ क आपां अस्यानका काम करया छा ज्यान्अ वो पाप मान्अ छ। अर पाप की सज्या मौत छ पण परमेसर थांसु अतरो परेम करअ छ क वो खुद का एकलोता छोरा ईशु न्अ ई दनिया मं खण्दायो क वो सूळी (क्रोस) प चढ़र थांका पापा की सज्या पाव्अ। ईशु मरया पाछ्अ फेरू जीवतो होग्यो अर सरग मं खुद क घरां चलग्यो। अर ज्यो थे ईशु मं बस्वास करो अर ऊसुं खुद का पाप की छमा मांग्अ तो वो थांकी परातना सुण्अलो। वो अबार आर थाक्अ म्अईन्अ बस्अलो अर थे सदाई उंकी लार बण्या रेव्अला।

अर ज्यो थांम्अ बस्वास छ क यो सब साँच छ तो परमेसर न्अ ख्योः प्यारा ईशु, मन्अ बस्वास छ क तू ही परमेसर छ अर मनख का रूप म्अ आयो छो क म्हारा पाप की बजे सुं मोत की सज्या बगत सक्अ अर अब तु फेरू जीवतो होयो छ। करपा कर म्हारी जन्दगी मं आर म्हारा पाप छमा करो, क मन्अ एक नुई जन्दगी मल्अ अर एक दन सदा हमेश बेई मं थारी लार हो जाऊ। ओ ईशु, म्हारी सायता कर जिसुं म थारी हरेक आज्ञा न्अ मान सकूं अर थारी औलाद की न्याऊ थारअ बेई जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ो अर रोजीना परमेसर सुं बात करो! यूहन्ना 3:16